भारत सरकार
सूक्ष्म, लघु और मध्यम मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1232
उत्तर देने की तारीख: 09.02.2023

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग हेतु उद्योग-अकादमिक लिंकेज

1232. श्री एम.वी.वी. सत्यनारायणः

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) हेतु उद्योग अकादमिक लिंकेज सुनिश्चित करने के लिए कोई पहल की है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र में, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करने के लिए कोई अन्य योजनाएं लागू की हैं; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री
(श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा)

(क) और (ख): सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय, एमएसएमई के लिए उद्योग-अकादमिक संपर्कों को सुनिश्चित करने हेतु एमएसएमई चैम्पियंस स्कीम के अंतर्गत एमएसएमई इनोवेटिव स्कीम का कार्यान्वयन कर रहा है। स्कीम में विचारों को विकसित करने, डिज़ाइन विकास, एमएसएमई को पेटेंट सहायता के लिए मेजबान संस्थानों (एचआई) और कार्यान्वयन ऐजेंसियों (आईए) के रूप में अकादमिक संस्थानों के साथ जुडने का प्रावधान है। आज की तारीख में, इंक्यूबेशन घटक के अंतर्गत मेज़बान संस्थानों (एचआई) के रूप में 632 अकादमिक संस्थानों की पहचाना की गई है, डिज़ाइन घटक के लिए कार्यान्वयन ऐजेंसियों के रूप में 18 प्रमुख अकादमिक संस्थानों (भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) की पहचान की गई है।

(ग) और (घ): मंत्रालय कयर क्षेत्र में उत्पादन प्रक्रिया के आधुनिकीकरण, कौशल और प्रशिक्षण कार्यक्रम, मशीनरी और उपकरणों का विकास, उत्पाद विकास और विविधिकरण, पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी का विकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, इंक्यूबेशन, परीक्षण और सेवा सुविधाएं आदि जैसे क्षेत्रों में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), कयर बोर्ड, राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी), राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निस्ममे) और एमएसएमई प्रौद्योगिकी केन्द्रों, केंद्रीय कयर अनुसंधान संस्थान (सीसीआरआई), कलावूर और केंद्रीय कयर प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईसीटी), बेंगलुरु के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश में एमएसएमई के समग्र और सतत विकास के लिए स्कीमों का कार्यान्वयन भी कर रहा है।

***